M.A. Semester I Examination, 2014
HINDI
Paper : I

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 2×8=16

(क) दुख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील छिपाये है जिसमें सुख गात।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप जगत् की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान कभी मत इसको जाओ भूल।

(ख) आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,
तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर
रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त
तो निश्चय तुम ही सिद्ध करागे उसे ध्वस्त,
शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करो पूजन
छोड़ दो समर जब तक न सिद्ध हो रघुनंदन

(ग) हाय री दुर्बल भ्रान्ति!
कहां नश्वर जगती में शान्ति
सृष्टि ही का तात्पर्य अशान्ति।
जगत् अविरत जीवन संग्राम।

(घ) दुखव्रती निर्माण उन्मद
यह अमरता नापते पद
बांध देंगे अंक-संसृति
से तिमिर में स्वर्ण बेला।

2. निम्नलिखित प्रश्नों मे से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए— 12×2=24

(क) 'कामायनी' के श्रद्धा-सर्ग की मूल संवेदनाओं को उद्घाटित कीजिए।

(ख) 'बादल राग' के आधार पर निराला की क्रांतिधर्मी चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ग) पंत के प्रकृतिचित्रण के वैविध्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) महादेवी की काव्य-विकासधारा के साथ उनके साधनात्मक विकास पर प्रकाश डालिए।